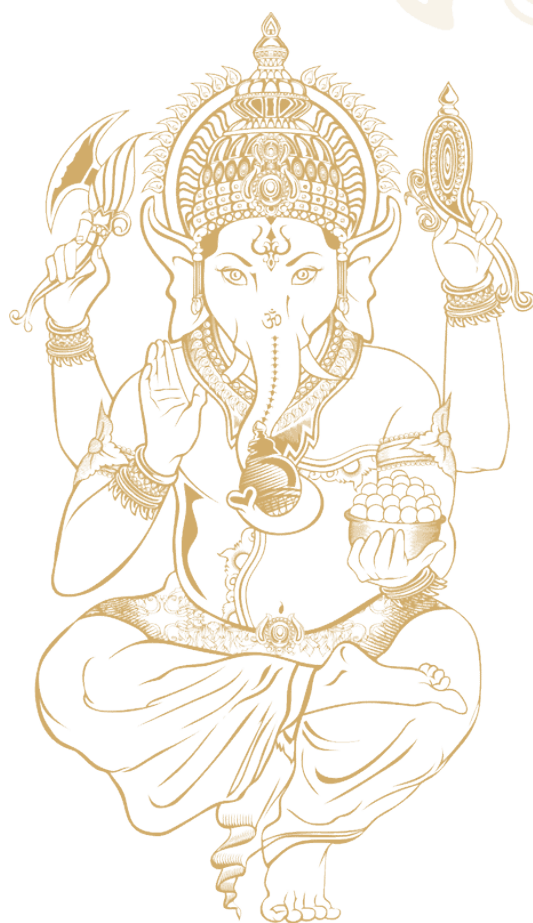




Mr.Ishan

31 Aug 1998

08:28 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119520103

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 31/08/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 31/08/2025
 सोमवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 20:28:00 : _____ जन्म समय _____ : 18:29:31 घंटे
 घटी 36:13:48 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 31:17:00 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:58:28 : _____ सूर्योदय _____ : 05:58:42
 18:44:04 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:43:32
 23:50:10 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:00
 मीन : _____ लग्न _____ : कुम्भ
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शनि
 धनु : _____ राशि _____ : वृश्चिक
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : मंगल
 मूल : _____ नक्षत्र _____ : ज्येष्ठा
 केतु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : बुध
 1 : _____ चरण _____ : 1
 प्रीति : _____ योग _____ : विष्कुम्भ
 कौलव : _____ करण _____ : बव
 ये-येरुसलम : _____ जन्म नामाक्षर _____ : नो-नोनी
 कन्या : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : कन्या
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : विप्र
 मानव : _____ वश्य _____ : कीटक
 श्वान : _____ योनि _____ : मृग
 राक्षस : _____ गण _____ : राक्षस
 आद्य : _____ नाड़ी _____ : आद्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : सर्प
 27 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 28



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वर्ष - विवरण

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

A Sri Yantra diagram, a complex geometric figure consisting of nine interlocking triangles that radiate from a central point (bindu). The triangles are surrounded by two concentric circles of lotus petals (the inner circle has 8 petals and the outer has 16) and a square border with T-shaped gates (bhupura) at the center of each side. Inside the triangles, there are Sanskrit characters and numbers:

- Top triangle: श (Sh) in blue, 10 in purple.
- Second triangle from top: 12 in orange, रा (Ra) in black, 11 in black.
- Third triangle from top: 1 in red, चं (Cha) in purple, 8 in red.
- Fourth triangle from top: 2 in blue, सु (Su) in purple, 5 in purple.
- Fifth triangle from top: 3 in green, बु (Bu) in green, 7 in black.
- Sixth triangle from top: गु (Gu) in orange, 4 in blue, के (Ke) in orange.
- Seventh triangle from top: शु (Shu) in teal, 6 in green, मं (Ma) in red.

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - सूर्य - शनि	सूर्य - सूर्य - बुध	सूर्य - सूर्य - केतु	सूर्य - सूर्य - शुक्र
18/09/2025 16:10	06/10/2025 00:33	21/10/2025 13:06	27/10/2025 22:31
06/10/2025 00:33	21/10/2025 13:06	27/10/2025 22:31	15/11/2025 04:49
शनि 21/09/2025 10:06	बुध 08/10/2025 05:20	केतु 21/10/2025 22:03	शुक्र 30/10/2025 23:34
बुध 23/09/2025 21:05	केतु 09/10/2025 03:04	शुक्र 22/10/2025 23:37	सूर्य 31/10/2025 21:29
केतु 24/09/2025 21:22	शुक्र 11/10/2025 17:09	सूर्य 23/10/2025 07:18	चंद्र 02/11/2025 10:00
शुक्र 27/09/2025 18:46	सूर्य 12/10/2025 11:47	चंद्र 23/10/2025 20:05	मंगल 03/11/2025 11:34
सूर्य 28/09/2025 15:35	चंद्र 13/10/2025 18:50	मंगल 24/10/2025 05:01	राहु 06/11/2025 05:19
चंद्र 30/09/2025 02:17	मंगल 14/10/2025 16:34	राहु 25/10/2025 04:02	गुरु 08/11/2025 15:45
मंगल 01/10/2025 02:34	राहु 17/10/2025 00:27	गुरु 26/10/2025 00:29	शनि 11/11/2025 13:09
राहु 03/10/2025 17:02	गुरु 19/10/2025 02:07	शनि 27/10/2025 00:47	बुध 14/11/2025 03:15
गुरु 06/10/2025 00:33	शनि 21/10/2025 13:06	बुध 27/10/2025 22:31	केतु 15/11/2025 04:49
सूर्य - चंद्र - चंद्र	सूर्य - चंद्र - मंगल	सूर्य - चंद्र - राहु	सूर्य - चंद्र - गुरु
15/11/2025 04:49	30/11/2025 10:04	11/12/2025 01:44	07/01/2026 11:11
30/11/2025 10:04	11/12/2025 01:44	07/01/2026 11:11	31/01/2026 19:35
चंद्र 16/11/2025 11:15	मंगल 01/12/2025 00:58	राहु 15/12/2025 04:21	गुरु 10/01/2026 17:06
मंगल 17/11/2025 08:33	राहु 02/12/2025 15:20	गुरु 18/12/2025 20:01	शनि 14/01/2026 13:38
राहु 19/11/2025 15:20	गुरु 04/12/2025 01:25	शनि 23/12/2025 04:07	बुध 18/01/2026 00:26
गुरु 21/11/2025 16:02	शनि 05/12/2025 17:54	बुध 27/12/2025 01:15	केतु 19/01/2026 10:31
शनि 24/11/2025 01:52	बुध 07/12/2025 06:07	केतु 28/12/2025 15:36	शुक्र 23/01/2026 11:55
बुध 26/11/2025 05:37	केतु 07/12/2025 21:02	शुक्र 02/01/2026 05:10	सूर्य 24/01/2026 17:08
केतु 27/11/2025 02:55	शुक्र 09/12/2025 15:39	सूर्य 03/01/2026 14:03	चंद्र 26/01/2026 17:50
शुक्र 29/11/2025 15:48	सूर्य 10/12/2025 04:26	चंद्र 05/01/2026 20:50	मंगल 28/01/2026 03:56
सूर्य 30/11/2025 10:04	चंद्र 11/12/2025 01:44	मंगल 07/01/2026 11:11	राहु 31/01/2026 19:35
सूर्य - चंद्र - शनि	सूर्य - चंद्र - बुध	सूर्य - चंद्र - केतु	सूर्य - चंद्र - शुक्र
31/01/2026 19:35	01/03/2026 17:34	27/03/2026 14:29	07/04/2026 06:10
01/03/2026 17:34	27/03/2026 14:29	07/04/2026 06:10	07/05/2026 16:40
शनि 05/02/2026 09:28	बुध 05/03/2026 09:31	केतु 28/03/2026 05:24	शुक्र 12/04/2026 07:55
बुध 09/02/2026 11:47	केतु 06/03/2026 21:45	शुक्र 30/03/2026 00:01	सूर्य 13/04/2026 20:26
केतु 11/02/2026 04:16	शुक्र 11/03/2026 05:14	सूर्य 30/03/2026 12:48	चंद्र 16/04/2026 09:19
शुक्र 15/02/2026 23:55	सूर्य 12/03/2026 12:17	चंद्र 31/03/2026 10:06	मंगल 18/04/2026 03:55
सूर्य 17/02/2026 10:37	चंद्र 14/03/2026 16:01	मंगल 01/04/2026 01:01	राहु 22/04/2026 17:30
चंद्र 19/02/2026 20:27	मंगल 16/03/2026 04:15	राहु 02/04/2026 15:22	गुरु 26/04/2026 18:54
मंगल 21/02/2026 12:56	राहु 20/03/2026 01:23	गुरु 04/04/2026 01:27	शनि 01/05/2026 14:34
राहु 25/02/2026 21:02	गुरु 23/03/2026 12:10	शनि 05/04/2026 17:56	बुध 05/05/2026 22:03
गुरु 01/03/2026 17:34	शनि 27/03/2026 14:29	बुध 07/04/2026 06:10	केतु 07/05/2026 16:40

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशिष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमत्ता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति पक्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृत्ति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यों को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।